



Shweta chand

20 May 2002

11:11 AM

Rajbiraj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121403005

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 20/05/2002
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 11:11:00 घंटे
इष्ट _____: 15:10:25 घटी
स्थान _____: Rajbiraj
देश _____: Nepal

अक्षांश _____: 29:05:00 उत्तर
रेखांश _____: 86:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 86:15:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:00:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 11:10:16 घंटे
वेलान्तर _____: 00:03:31 घंटे
साम्पातिक काल _____: 03:01:05 घंटे
सूर्योदय _____: 05:06:49 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:48:01 घंटे
दिनमान _____: 13:41:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 05:09:01 वृष
लग्न के अंश _____: 27:14:22 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: मघा - 4
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: व्याघात
करण _____: बव
गण _____: राक्षस
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: मे-मेनका
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृष



FUTUREPOINT
Astro Solutions



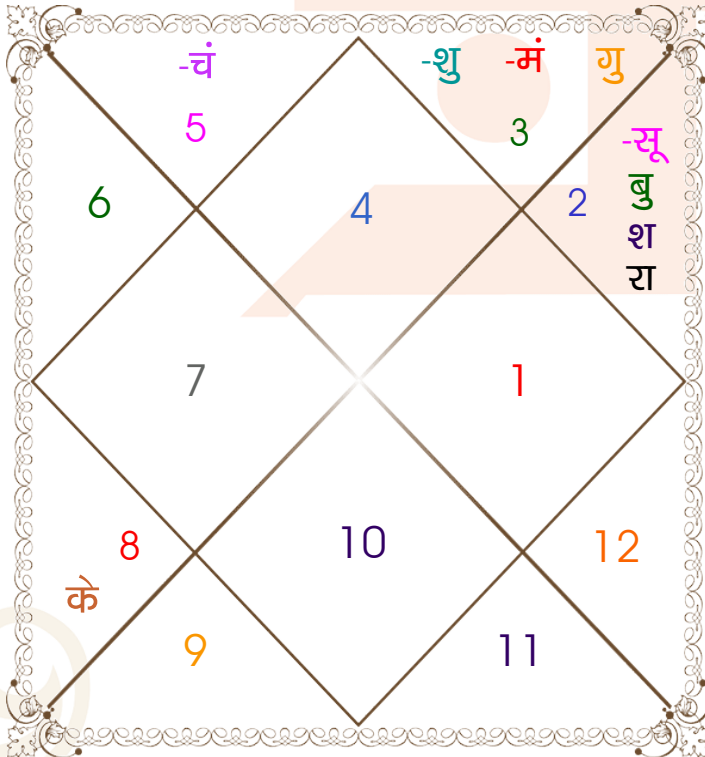
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:14:22	308:32:14	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			वृष	05:09:01	00:57:45	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	10:28:54	14:09:29	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मिथु	00:39:22	00:39:46	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध	व	अ	वृष	15:21:08	00:19:25	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	20:23:44	00:11:17	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	05:42:50	01:11:58	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि			वृष	21:57:43	00:07:35	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	24:05:09	00:00:36	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	24:05:09	00:00:36	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	04:52:21	00:00:40	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	17:05:01	00:00:13	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	22:51:46	00:01:31	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	23:50:39	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शनि	--

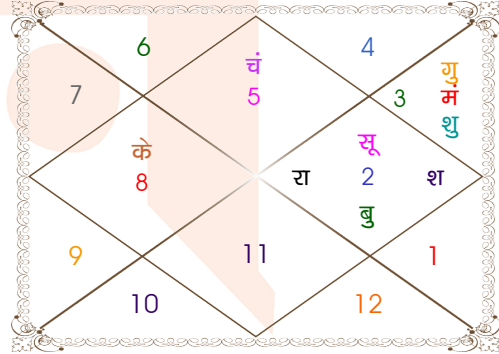
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:07

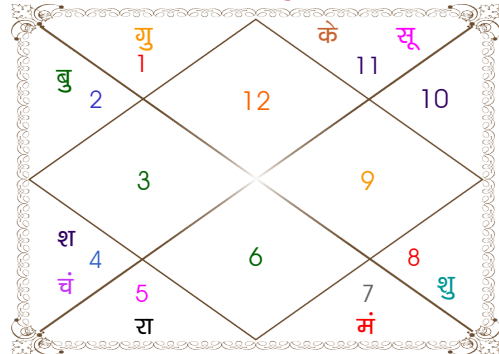
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 5 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
20/05/2002	18/11/2003	18/11/2023	17/11/2029	18/11/2039
18/11/2003	18/11/2023	17/11/2029	18/11/2039	18/11/2046
00/00/0000	शुक्र 19/03/2007	सूर्य 06/03/2024	चंद्र 18/09/2030	मंगल 15/04/2040
00/00/0000	सूर्य 19/03/2008	चंद्र 05/09/2024	मंगल 19/04/2031	राहु 03/05/2041
00/00/0000	चंद्र 17/11/2009	मंगल 11/01/2025	राहु 18/10/2032	गुरु 09/04/2042
00/00/0000	मंगल 17/01/2011	राहु 06/12/2025	गुरु 17/02/2034	शनि 19/05/2043
00/00/0000	राहु 17/01/2014	गुरु 24/09/2026	शनि 18/09/2035	बुध 15/05/2044
00/00/0000	गुरु 17/09/2016	शनि 06/09/2027	बुध 16/02/2037	केतु 12/10/2044
20/05/2002	शनि 18/11/2019	बुध 12/07/2028	केतु 17/09/2037	शुक्र 12/12/2045
शनि 21/11/2002	बुध 18/09/2022	केतु 17/11/2028	शुक्र 19/05/2039	सूर्य 18/04/2046
बुध 18/11/2003	केतु 18/11/2023	शुक्र 17/11/2029	सूर्य 18/11/2039	चंद्र 18/11/2046

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
18/11/2046	17/11/2064	17/11/2080	18/11/2099	18/11/2116
17/11/2064	17/11/2080	18/11/2099	18/11/2116	00/00/0000
राहु 31/07/2049	गुरु 05/01/2067	शनि 21/11/2083	बुध 16/04/2102	केतु 16/04/2117
गुरु 24/12/2051	शनि 19/07/2069	बुध 31/07/2086	केतु 14/04/2103	शुक्र 16/06/2118
शनि 30/10/2054	बुध 24/10/2071	केतु 09/09/2087	शुक्र 12/02/2106	सूर्य 22/10/2118
बुध 19/05/2057	केतु 29/09/2072	शुक्र 08/11/2090	सूर्य 19/12/2106	चंद्र 23/05/2119
केतु 06/06/2058	शुक्र 31/05/2075	सूर्य 21/10/2091	चंद्र 19/05/2108	मंगल 19/10/2119
शुक्र 06/06/2061	सूर्य 19/03/2076	चंद्र 22/05/2093	मंगल 17/05/2109	राहु 06/11/2120
सूर्य 01/05/2062	चंद्र 19/07/2077	मंगल 01/07/2094	राहु 04/12/2111	गुरु 13/10/2121
चंद्र 31/10/2063	मंगल 24/06/2078	राहु 06/05/2097	गुरु 11/03/2114	शनि 21/05/2122
मंगल 17/11/2064	राहु 17/11/2080	गुरु 18/11/2099	शनि 18/11/2116	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 5 मा 26 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती हैं। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरुचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृत्ति की प्राणी हैं। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रुचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगी यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता हैं तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृत्ति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरुचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करेंगे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृत्ति का त्याग कर अथवा अवरुद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर हैं। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योंकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।

